अंक योजना - प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2024-25

विषय हिंदी (आधार)

(विषय कोड - 302)

कक्षा- ग्यारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश : यदि परीक्षार्थी ने ऐसा कोई सही उत्तर लिखा हो जो इस उत्तर संकेत में न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक
	खंड 'अ' अपठित गद्यांश		
1.	(i) (क) पाखंड की माँग के कारण	**1**	**10**
	(ii) (घ) आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करना	**1**
	(iii) (घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	**1**
	(iv) भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के माध्यम से	**1**
	(v) • वनों की कटाई, पर्वतों को तोड़कर सड़क एवं होटल निर्माण • कंक्रीट के जंगल खड़े करना • प्राकृतिक आपदाओं का निरंतर बढ़ते जाना • मनुष्य के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव • विचलित मन आदि। (समग्र के आधार पर कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2**
	(vi) • आधुनिकता और बनावटीपन से मानसिक व आत्मिक अस्वस्थता • अध्यात्म के सवालों का जवाब कृत्रिमता • आत्मा भी इस नकली आनंद के बोझ तले दब जाती है। • सृष्टि के मूल से दूर होना दुख का कारण। (समग्र के आधार पर कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2**
	(vii) • प्रकृति से पृथक होना बीमारी को बुलावा • प्रकृति के सानिध्य में ही आत्मिक सुख संभव	**2**

2.	• जितना दूर जाएँगे उतना अस्वस्थ होंगे • प्रकृति से दूरी के कारण मनुष्य का पतन • प्रकृति से दूरी शारीरिक, मानसिक और आत्मिक अस्वस्थता का कारण (समग्र के आधार पर कोई दो बिंदु अपेक्षित) **(i)** (घ) अस्तित्व मिटना **(ii)** (ख) स्थिरता **(iii)** (ग) (I) - (स) , (II) - (अ) , (III) - (ब) **(iv)** द्वीप बनना शाप या आकस्मिक घटना नहीं है बल्कि यह उस नियति का परिणाम है, जो उसके भाग्य में पहले से निर्धारित है। **(v)** • जिस प्रकार एक माँ संस्कार देकर अपने शिशु के व्यक्तित्व का निर्माण करती है। उसी प्रकार नदी द्वीप के स्वरूप को तैयार करती है। • नदी अपने साथ लाई मिट्टी और रेत के कणों से धीरे-धीरे इसके रूप और आकार को निर्मित करती है। • माँ की गोद में बैठे शिशु की भांति द्वीप भी संरक्षण में आकार व पहचान पाता है। **(vi)** • जिस प्रकार नदी द्वीप का निर्माण करती है और उसे विस्तृत भूखंड से जोड़ती है, उसी प्रकार संस्कृति व्यक्तित्व का निर्माण करती है और उसे समाज से जोड़ती है। • नदी रूपी माँ, द्वीप रूपी शिशु को संस्कार देते हुए समाज रूपी पिता से संबंध स्थापित कराती है। • व्यक्ति की स्थिति समाज में एक द्वीप की भांति है। • व्यष्टि चेतना को सुरक्षित रखते हुए भी वह उस समष्टि का अंग है। • नदी समष्टि चेतना का प्रतीक है जबकि 'द्वीप' व्यष्टि चेतना का। (समग्र के आधार पर कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**1** **1** **1** **1** **2** **2**	**8**
	खंड-'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम)		
3.	विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	**3** **2** **1**	**6**

4.	विषयवस्तु प्रारूप भाषा	**3** **1** **1**	**5**
5.(i)	(क) किसी भी समाचार पत्र में संपादक और उसके सहायक संपादकों को द्वारपाल की संज्ञा दी गई है। द्वारपाल की भूमिका - • सार्वजनिक हितों का ध्यान रखना। • पत्रकारिता के सिद्धांतों और मूल्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य करना। • पत्रकारिता की आचार-संहिता के अनुसार सामग्री का संपादन करना। • संपूर्ण विषय-वस्तु की जाँच के उपरांत प्रकाशन की अनुमति देना।	**2**	**8**
	(ख) • लगभग प्रत्येक समाचार पत्र में कार्टून कोना निर्धारित होता है। महत्व - • इसके माध्यम से की गई सटीक टिप्पणियाँ पाठक को प्रभावित करती हैं। • समाज की विद्रूपताओं या समस्याओं को उद्घाटित करने का माध्यम। • संदेश को प्रभावी एवं धारदार अंदाज़ में पहुँचाने का माध्यम।	**2**	
	(ग) डायरी अपना ही अंतरंग साक्षात्कार है। • इसमें स्वयं से ही संवाद स्थापित होता है। • स्वयं को समझने का सबसे सशक्त माध्यम • जीवन के कुछ विशिष्ट क्षणों, विचारों एवं स्मृतियों की अभिव्यक्ति • मन के समस्त सुखद-दुखद या अच्छे-बुरे भावों से निवृति। • डायरी अंतर्मन की समस्त वर्जनाओं से मुक्ति का साधन। (समग्र के आधार पर कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2**	
	(घ) • स्ववृत्त में सूचनाओं को क्रमबद्ध रूप में लिखने की आवश्यकता। • सूचनाओं को लिखते समय प्रवाहमयता का गुण भी विद्यमान होना चाहिए। • सूचनाओं का क्रम व्यक्ति परिचय, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, प्रशिक्षण, उपलब्धियाँ एवं कार्येत्तर गतिविधियों के रूप में होना चाहिए।	**2**	
	(ङ) • शब्दकोश में शब्दों का क्रम स्वर से प्रारंभ होकर व्यंजन पर समाप्त होता है। • हिंदी शब्दकोश में 'अं' स्वर से शब्दों का प्रारंभ होता है।	**2**	

	• 'क' वर्ण से बने शब्द खोजने के लिए क्रम होगा - कं, कँ, क, का, की, कि.....क् • संयुक्ताक्षर क्ष, त्र, ज्ञ, श्र वर्णों के अंत्याक्षर के साथ आते हैं।		
5.(ii)	**फ़्लैशबैक :** इस तकनीक के माध्यम से अतीत में घटी घटनाओं को दिखाना संभव। **फ़्लैश फ़ॉरवर्ड :** • इसके माध्यम से भविष्य में होने वाले किसी हादसे या घटना को दिखा सकते हैं। • दोनों ही तकनीकों के माध्यम से वर्तमान और भविष्य की तुलना करना ज्यादा सरल होता है।	**3**	**3**
	खंड-'ग' (आरोह भाग-1 और वितान भाग-1 पुस्तकों पर आधारित)		
6.	(i) (क) विपरीत परिस्थितियों से पलायन करना (ii) (ग) व्यवस्था में परिवर्तन (iii) (ग) 1- (ii), 2- (i), 3- (iii) (iv) (क) रक्षक ही भक्षक होना (v) (ख) शोषित वर्ग का	**1** **1** **1** **1** **1**	**5**
7.	**(क)** • संसार में पवन, पानी, ज्योति/अग्नि इत्यादि प्राकृतिक तत्वों का एक ही होना • ईश्वर द्वारा सभी मनुष्यों को एक ही प्रकार के पंच तत्वों से निर्मित करना • ईश्वर द्वारा निर्मित प्रत्येक प्राणी में एक ही प्राण-तत्व और आत्मा का निवास होना • (सहमति/असहमति में विद्यार्थी के अपने विचार स्वीकार्य)	**3**	**6**
	(ख) • संथाली परगना की मिट्टी का स्वाभाविक रंग, प्राकृतिक परिवेश • भाषा में झारखंडीपन, जीवन का उत्साह • स्वभाव का अक्खड़पन, जुझारू प्रवृति • दिल का भोलापन, परंपरागत जीवन-शैली और अस्त्र-शस्त्र • लोक गीतों की मधुरता, उन्मुक्त हँसी और शांत वातावरण	**3**	
	(ग) • सपनों के मर जाने से नई इच्छाओं, कामनाओं, उत्साह का समाप्त हो जाना। • मनुष्य का निष्क्रिय एवं प्रतिक्रियाशून्य हो जाना । • जीवन में प्रगति की अभिलाषा न रहना ।	**3**	

	• आगे बढ़ने के लिए सपने देखना और उन्हें पूरा करने का प्रयास करना आवश्यक । (विद्यार्थी द्वारा दिए गए अन्य विचार भी स्वीकार्य)		
8.	**(क)** • कवि के अनुसार चंपा पढ़ लिखकर अपने पति को संदेश भेज पाएगी। • पति द्वारा भेजे गए पत्र पढ़ पाएगी। • पढ़ना-लिखना अच्छा होता है। • चंपा कवि की बात का विरोध करती है, कवि को झूठा बताती है । • चंपा कहती है -विवाह नहीं करेगी अथवा पति को दूर नहीं जाने देगी। • पत्र पढ़ने-लिखने की आवश्यकता नहीं।	**2**	**4**
	(ख) • कवि कारागार में अपनी वास्तविक स्थिति के विषय में बताकर माता-पिता के पुत्र-वियोग के कष्ट को बढ़ाना नहीं चाहता। • उन्हें सांत्वना देने और निश्चिंत रखने के प्रयास में कवि अपनी व्यथा को छिपाकर अपने स्वस्थ होने, पढ़ते-लिखते रहने, गौरवशाली कामों और व्यवहार द्वारा पिता के दिखाए मार्ग पर चलने और देश के प्रति अपने कर्त्तव्य का खुशी-खुशी निर्वाह करने का संदेश अपने परिवार को भेजता है।	**2**	
	(ग) • भूख, प्यास,नींद, क्रोध, मद, मोह, ईर्ष्या आदि मनोभाव लक्ष्य-प्राप्ति में बाधाएँ हैं। • इंद्रियाँ ईश्वर-प्राप्ति के मार्ग में बाधक • सांसारिक सुखों में उलझाकर लक्ष्य से विमुख करती हैं।	**2**	
9.	(i) (ख) प्रजा की माँग की उपेक्षा करना (ii) (घ) बंगाल की (iii) (क) कथन I और III सही हैं (iv) (ग) लॉर्ड कर्जन द्वारा बंगाल विभाजन (v) (क) कथन (A) सही और कारण (R) गलत है।	**1** **1** **1** **1** **1**	**5**
10.	क) • मियाँ नसीरुद्दीन के अनुसार कठोर परिश्रम व निरंतर अभ्यास के द्वारा किसी भी विषय में महारत हासिल की जा सकती है। ▪ जीवन में अभ्यास और परिश्रम का महत्व	**3**	**6**

	▪ तत्पश्चात विद्यार्थी तर्क सहित अपने विचारों को रखते हुए प्रस्तुत कथन को पुष्ट करेंगे । (ख) • छात्र जीवन में मित्रता अनमोल उपहार है। • जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए एक मित्र का होना अत्यंत आवश्यक है। • विद्यार्थी मित्र का उदाहरण देते हुए अपने विचार रखेंगे। • मोहन और धनराम के संबंधों पर भी प्रकाश डालते हुए विषय की पुष्टि करेंगे। (ग) ▪ शिक्षा व्यवस्था के विसंगतिकरण में अन्याय करने वाले के साथ अन्याय सहने वाले भी दोषी। ▪ ट्यूशन व्यवस्था में अध्यापकों के साथ-साथ छात्र तथा उनके अभिभावक (नंबरों के पीछे भागने वाले) भी सम्मिलित है । ▪ यदि अध्यापक विद्यार्थियों को ट्यूशन के लिए विवश करते हैं तो यह अनुचित है।	**3** **3**	
11.	(क) ▪ सरकारी बाबू और अधिकारियों की संवेदना शून्य कार्यशैली पर तीखा कटाक्ष। ▪ कवि को पेड़ के नीचे से निकालने की प्रक्रिया में जब कागज़ी कार्यवाही (फाइल) पूर्ण हुई तब तक कवि की जीवन-लीला भी पूर्ण हो गई । (ख) ▪ नेहरू जी के अनुसार 'भारत माता की जय' का तात्पर्य भारत के सभी निवासियों की जय तथा उनके मंगल से था। ▪ छोटे-छोटे एवं प्रभावी नारे किसी भी व्यक्ति के जीवन को बदलने में सक्षम। ▪ वर्तमान समय में ऐसे नारे देश-भक्ति और बंधुत्व की भावना उत्पन्न कर सकते हैं। (उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।) (ग) ▪ फ़िल्म निर्माण के समय आने वाली समस्याओं के बारे में बताते हुए निर्माता निर्देशक सत्यजीत राय की कार्य-शैली से अवगत करवाना। ▪ अप्पू के साथ ढाई साल पाठ में वर्णित फ़िल्म निर्माण के समय आने वाली समस्याओं का वर्णन (किन्हीं दो समस्याओं का उल्लेख)	**2** **2** **2**	**4**

12.	(क) ▪ बेबी द्वारा बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए लोगों के घरों में काम करना ▪ आर्थिक कठिनाइयों से अकेले जूझना ▪ अकेले रहने के कारण समाज के ताने सुनना और दुर्व्यवहार का सामना करना ▪ विपरीत परिस्थितियों ने बेबी को संघर्ष करने की क्षमता दी ▪ जीवन-निर्वाह के लिए दिनभर परिश्रम करने के बाद तातुश के प्रोत्साहन से अपनी पढ़ने-लिखने की इच्छा को पूरा किया। ▪ तातुश की प्रेरणा से ही अपने जीवन-संघर्ष को कलमबद्ध करने का निश्चय किया। ▪ बेबी ने परिस्थितियों से हार न मानकर उन्हीं परिस्थितियों को अपनी पहचान बनाने का माध्यम बनाया।	**5**	**10**
	(ख) ▪ कुमार गंधर्व इस आरोप को नकारते हैं। ▪ वे मानते हैं कि चित्रपट संगीत ने लोगों के कान सुधारे हैं। ▪ इसके कारण लोगों को सुरीलेपन की समझ हो रही है। ▪ चित्रपट संगीत के माध्यम से उन्हें तरह-तरह की लय सुनने को मिल रही है। ▪ आम आदमी को लय की सूक्ष्मता की समझ आ रही है। ▪ आम आदमी में संगीत विषयक अभिरुचि को पैदा किया है। ▪ लोगों द्वारा शास्त्रीय संगीत को देखने और समझने में परिवर्तित दृष्टिकोण का श्रेय लेखक ने लता के चित्रपट संगीत को दिया है। (सहमति अथवा असहमति में विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार स्वीकार्य)	**5**	
	(ग) ▪ मरुस्थल में जल की कमी ▪ जल संरक्षण की समस्या ▪ उन क्षेत्रों में जल की बर्बादी जहाँ जल सुलभता से उपलब्ध। ▪ लोगों द्वारा कुईं बनाकर धरती के नीचे संरक्षित जल को उपयोग में लाने के प्रयास। ▪ वर्षा जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का सरंक्षण करने एवं भविष्य के लिए बचाकर रखा जाए। ▪ तकनीक का प्रयोग प्रकृति को नष्ट करने की अपेक्षा प्रकृति की रक्षा हेतु किया जाए।	**5**	